जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com

प्रो. राजेश कुमार धूड़िया
समन्वयक
9414283388

श्री दिनेशचन्द्र सक्सेना
सदस्य
9829118334

क्रमांक 2020 **1 मार्च, 2016**

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

वेटरनरी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक पशुचिकित्सा पर
पहली राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स आगामी 5–6 मार्च को होगी
देश भर से जुटेंगे विशेषज्ञ–वैज्ञानिक

बीकानेर, 1 मार्च। वेटरनरी विश्वविद्यालय में "पशुचिकित्सा के नए क्षितिज और चिकित्सा फोरेंसिक औषधि" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार आगामी 5 व 6 मार्च को आयोजित की जाएगी। सेमीनार का आयोजन वेटरनरी विश्वविद्यालय के क्लिनिकल वेटरनरी मेडिसिन, इथिक्स और ज्यूरीप्रुडेन्स विभाग द्वारा किया जा रहा है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत ने बताया कि पशुचिकित्सा में फोरेंसिक औषधि और विधि शास्त्र पर देश भर में यह अपनी किस्म की पहली सेमीनार है। वर्तमान में पशुचिकित्सा के क्षेत्र में विधि सम्मत मामलों की बढ़ती संख्या और जरूरत को देखते हुए इस सेमीनार का आयोजन किया गया है। इसमें देश भर के ख्यातनाम वैज्ञानिक, विषय–विशेषज्ञ और पशुचिकित्सा न्याय शास्त्री विभिन्न पहलुओं पर विचार–विनिमय करेंगे। सेमीनार के तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ विधिक मामलों में हो रही आधुनिक तकनीकी अनुसंधान, विधि शास्त्र के मुताबिक कार्य विधि के साथ ही पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम जैसे विषयों पर चर्चा कर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे। पशुचिकित्सा के फोरेंसिक मामलों में नीति निर्धारण और राष्ट्रीय स्तर पर आने वाली समस्याओं के समाधान बाबत अपने विचार रखेंगे। सेमीनार के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया है। आयोजन सचिव प्रो. ए.पी. सिंह ने बताया कि पूरे देश भर से करीब 200 प्रतिनिधियों को इसमें आंमत्रित किया गया है। सेमीनार में विषय के विभिन्न पक्षों पर 5 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इनमें वर्तमान स्थिति, में पशुचिकित्सा और मेडिसिन फोरेंसिक, वन्य प्राणी फोरेंसिक मेडिसिन, रोग निदान और टॉक्सीकोलॉजी, मिलावटी दूध और मांस और उसके उत्पादों की जांच–पड़ताल, पशुओं के क्रय–विक्रय और पशुधन उत्पादों की बिक्री में अनियमितताओं और पशुओं से संबंधित विधिक मामलों, पशु कल्याण और क्रूरता जैसे मामलों को न्याय शास्त्र के अनुकूल निपटाने के मामलों पर चर्चा करेंगे। सेमीनार में व्याख्यान, अनुसंधान निष्कर्ष, पोस्टर प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किये जायेंगे।

समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ